* शीतलक मीनार तंत्र (Cooling Tower System) :- उन संयंत्रों जहां पर वाष्प के शीतलन के लिए आवश्यक शीतलक जल की उपलब्धता नहीं होती है। वहां बन्द परिपथ का निर्माण किया जाता है। शीतलक जल को पुनः ठण्डा करने के उद्देश्य से लकड़ी या सीमेंट एवं मिट्टी के बने मीनार का उपयोग किया जाता है। जिसे हम शीतलक मीनार कहते हैं।

क्रिया विधि :- संयंत्र से बाहर आने वाले गर्म शीतलन जल को मीनार के ऊपरी भाग से फुहार के रूप में छिड़का जाता है। जल को ठण्डा करने के लिए वायु मीनार के आधार से ऊपर की ओर या अथवा एक दीवार से दूसरी दीवार की ओर प्रवाहित की जाती है, वायु जल से ऊष्मा लेकर उसे ठण्डा करते हुए मीनार के बाहर वायुमण्डल में चली जाती है। तथा ठण्डे जल को मीनार के निचले भाग पर एकत्रित करके शीतलन जल पम्प के माध्यम से पुनः संचारित किया जाता है।